

रांची

गुजरात, वर्ष 10, अंक 301

आजाद सिपाही



झारखंड आंदोलन में रामदास सोरेन का अहम योगदान था: हेमंत

मुख्यमंत्री अपनी पत्नी कल्पना सोरेन के साथ जमशेदपुर के घोड़ाबांध स्थित पूर्ण शिख कक्षी रामदास सोरेन के घर पहुंचे, ती श्रद्धांजलि, परिजनों का ढांध बंधाया



आजाद सिपाही संवाददाता

जमशेदपुर। मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन बुधवार को अपनी धर्मपत्नी एवं विधायक कल्पना सोरेन संग स्कूली शिक्षा एवं साक्षरता मंत्री रहे दिवंगत रामदास सोरेन के जमशेदपुर स्थित दिवंगत रामदास सोरेन की संबंधित विधायक अत्मा की शांति तथा शोक संतप्त परिजनों को वह दुख सहन

अपूर्ण की। मुख्यमंत्री ने शोकाकुल परिजनों से मिलकर अपनी गहरी संवेदना जतायी। मुख्यमंत्री ने दिवंगत को नवी दिल्ली स्थित एक अस्पताल में इलाज के दैयन

निधन हो गया था।

दिशोम गुरु के बाद रामदास जी का निधन असहनीयः मुख्यमंत्री ने कहा कि दिशोम गुरु और मेरे बाबा शिवू सोरेन के निधन के एक

बच्चों की बेहतर शिक्षा के लिए लगातार कर रहे थे प्रयास

हेमंत सोरेन ने कहा कि स्कूली शिक्षा एवं साक्षरता मंत्री के रूप में रामदास सोरेन काफी बेहतर कार्य कर रहे थे। सरकारी विद्यालयों में बच्चों को गुणवत्तायुक्त शिक्षा के लिए उन्होंने कई नयी पहल की थी। सरकारी विद्यालयों में आधारभूत संरचना भजबूत करने का काम तेज गति से हो रहा था। गांव-देहात के गरीब बच्चों को अचूकी शिक्षा के साथ उनका समग्र विकास हो, इस पर उनका विशेष जोर था।

पर्यावार के अंदर ही रामदास सोरेन जी के इस तरह चले जाने की पीढ़ी मेरे लिए असहनीय है, उसकी भरपाई नहीं हो सकती है। मन व्याकुल और व्यथित है। संघर्ष से बाली थी पहचान: उनका निधन इस राज्य के साथ मुख्यमंत्री ने कहा कि दिवंगत

रामदास सोरेन ने संघर्ष से अपनी एक अलग पहचान बनायी थी। उन्होंने स्मृति शेष दिलों मुख शिवू सोरेन के नेतृत्व में अलग झारखंड की खातिर हुए आंदोलन में अधिक योगदान दिया था। उनका व्यवहार काफी समझ और सहज था। एक आंदोलनकारी के साथ-साथ उनका व्यापक सामाजिक सरोकार था। वे अपने सार्वजनिक जीवन में आम लोगों के दुख-दर्द और समस्याएं दूर करने के लिए हमेशा खड़े रहे। वे अब इस दुनिया में नहीं हैं, लेकिन उनका व्यक्तित्व और कार्य सदैव ऊर्जा प्रदान करता रहेगा।

गिरफ्तारी या 30 दिन हिरासत पर एम, सीएम, मंत्री का पद जायेगा

- संसद में सरकार ने बिल पेश किया, विधायकों को नेता बनाया
- पांच साल से अधिक संजा वाले अपराध में लागू होगा

आजाद सिपाही संवाददाता

नवी दिल्ली। प्रधानमंत्री-मुख्यमंत्री या कोई भी मंत्री किसी ऐसे अपराध में रहता है। विषय ने यह मंत्री के ऊपर कायदा के गोले फेंके। साल या उससे ज्यादा हो, तो उसे पद छोड़ना पड़ेगा। गृह मंत्री अमित शाह ने बुधवार को लोकसभा में इससे संबंधित तीन बिल पेश किये। तीनों विधेयकों के खिलाफ लोकसभा में जमकर हुआ।



ऑनलाइन गेमिंग पर प्रतिबंध लगाने वाला बिल भी पेश

नवी दिल्ली। केंद्र सरकार ने लोकसभा में बुधवार को ऑनलाइन गेमिंग पर प्रतिबंध लगाने वाला बिल भी पेश किया। केंविनेट ने 19 अस्तत को ऑनलाइन गेमिंग विल को मंत्रीदी दी थी। इसमें ऑनलाइन मनी गेमिंग, विशेष खेल के लिए उकसाने वाले को सजा-जमाना या दोनों हो सकता है। तीन साल तक केंद्र या एक करोड़ रुपये तक का जुमाना, या दोनों हो सकते हैं।

2025 है, जो केंद्र शासित राज्यों के लिए है। तीसरा बिल: जम्मू-कश्मीर पुर्णांगन (संसोधन) बिल 2025 है, जो जम्मू-कश्मीर पर लागू किया जायेगा।

उपराष्ट्रपति चुनाव : एनडीए उम्मीदवार राधाकृष्णन ने नामांकन दाखिल किया



प्रधानमंत्री नोटी पहले

प्रस्तावक, शाह-राजनाथ

और नज्मी भी नौजूद रहे

9 सितंबर को होगा शुभाव

आजाद सिपाही संवाददाता

नवी दिल्ली। एनडीए के उपराष्ट्रपति द्वारा राजनाथ सीपी राधाकृष्णन ने बुधवार को नामांकन दाखिल कर दिया। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पहले

प्रस्तावक बने। नामांकन के दौरान गृह मंत्री अमित शाह, रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह और भाजपा अध्यक्ष जेपी नड्डा समेत कई नेता भी जुटे थे। नामांकन से पहले राधाकृष्णन ने संसद परिसर में स्थित गांधी प्रतिमा पर फूल चढ़ाये। बालों तक जिसी गिनती होती है। उसी दिन वोटों की गिनती होती है। नामांकन दाखिल करने की आखिरी तारीख 21 अगस्त है। 25 अगस्त तक उम्मीदवारी वाकाला विपक्षी गठबंधन के

बांग्लादेशीयों की पहचान के लिए एसटीएफ के गठन की सिफारिश

विशेष शाखा के आइजी ने गृह सचिव को लिखा पत्र डीएसपी मुख्यालय की अगुवाई में हो टीम का गठन

अजय शर्मा

गंधी (आजाद सिपाही)। केंद्रीय गृह मंत्रालय के निर्देश के बाद झारखंड के स्पेशल बांच के आइजी ने गृह सचिव को एक अप्राप्य शामिल होंगे और इनकी अगुवाई में ही टीम का गठन होना चाहिए। इसमें एक इंयेक्टर, संबंधित जिला के विदेशी शाखा के दो पदाधिकारी को लिखे गये हैं। 18 अगस्त को लिखे

गये पत्र में यह सिफारिश की गयी है कि बांग्लादेशी/रोहिणी नागरिकों की पहचान के लिए एसटीएफ का गठन किया जाये। इस टास्ट के फैसले में हर कोई गृह मंत्री अमित शाह ने बुधवार को संसदीय विधायिकों के खिलाफ लोकसभा में जमकर हुआ।

किया जा सकता है। पत्र में कहा गया है कि बांग्लादेशी/रोहिणी नागरिकों के अधिकारों को आदेश दे सकते हैं। भारत सरकार की ओर से बांग्लादेशी/रोहिणी नागरिकों की पहचान करने और उनकी धरपकड़ करने के लिए झारखंड सरकार को एक पत्र लिखा गया है। इसमें जिला स्तर पर पुलिस अधिकारियों की टीम गठित करने की निर्देश दिया गया है। उन्होंने कहा कि उपराष्ट्रपति ने लोकसभा के पास

आजाद सिपाही संवाददाता

मेदिनीनगर। पलामू के तेतराई बलियारी मोड़ के पास लावारिस पड़ी जाइलो गाड़ी से 46 लाख रुपये बरामद हुए हैं। प्राप्त जानकारी के अनुसार पलामू के पुलिस अधिकारी को गृह सचिव की ओर से बांग्लादेशी/रोहिणी नागरिकों की पहचान करने और उनकी धरपकड़ करने के लिए झारखंड सरकार को एक लाल रंग की मिलाई थी। इसमें बांग्लादेशी/रोहिणी नागरिकों की पहचान करने और जारी रखने का लाल रंग दिया गया है। सचिव के आलोक में थाना प्रधारी पांकी की राजेश रंगन द्वारा सशस्त्र बल के साथ घेरावंदी कर जांच अधिकारियों की गतिशीलता दिया गया। जांच के क्रम में तेतराई गांव के पास



बलियारी मोड़ के पास गाड़ी (सीजी14बी-5999) लावारिस किंतु किसी व्यक्ति को नहीं खड़ी मिली। आसपास पूछताछ देखा गया। गाड़ी लांक थी। पुलिस पर घटना देखा गया। गाड़ी को टोकन कर जांच करी गयी।

थाना लाया। इसके बाद पांच अंचल के पुलिस निरीक्षक की उपस्थिति में गाड़ी का लॉक तोड़कर लालाशी ली गयी। लालाशी के क्रम में गाड़ी की बीच की सीट के नीचे एक झोला मिला। इसमें प्लास्टिक में रुपये लपेटे हुए थे। नोट 500, 200 और 100 के थे। रुपयों की जिमत करवायी गयी, तो पाया गया कि ये 46 लाख 19 हजार 900 रुपये थे। गाड़ी के डैशबोर्ड से से वाहन का इंशेयरेस एवं अरसी भी बरामद किया गया। यह पुलिस मामले को दर्ज करी गयी।

पीटीआर जंगल से नौ शिकारी गिरफ्तार, 13 फरार वन्य प्राणियों के शिकार करने की बात स्वीकार की, हथियार बरामद

रवि कुमार गुप्ता

बरवाडी (आजाद सिपाही)। बेतला स्थित पलामू टाइगर रिजर्व (पीटीआर) में साक्रमें एक बड़े शिकारी गिरफ्तार का पर्दाफाल हुआ है। वन विभाग ने गुरु सचिवान के आधार पर अधिकारी चलाकारी ने शिकारियों को गिरफ्तार किया है, जिनमें एक बांदर और एक बांदर गिरफ्तारी शामिल है। इसके बाद वन्य प्राणी के शिकार की बात कबूली। प्राप्त जानकारी के अनुसार एक बांदर गिरफ्तार करने की विधियां विभागीय रूप से अप्रैल 1927 के बाद वन्य प्राणी के शिकार की बात स्वीकार की जाती है।

उसने स्थिक



स्वर्णम भारत एक्सप्रो का आयोजन आज से

आजाद सिपाही संवाददाता

रांची। सरला बिरला विश्वविद्यालय में आगामी 21 अगस्त से स्वर्णम भारत एक्सप्रो 2025 का आयोजन शुरू होगा। आयोजन का समाप्ति 23 अगस्त को होगा। राष्ट्रीय स्तर की यह प्रदर्शनी सासद डॉ प्रदीप कुमार वर्मा का मर्गदर्शन में और परिचित फाउंडेशन की ओर से आयोजित की जा रही है।

प्रदर्शनी में देश के कई प्रमुख संस्थान और विद्यार्थी भाग लेंगे। इनमें परमाणु ऊर्जा विभाग (डीएम), वैज्ञानिक औद्योगिक अनुसंधान परिषद (सोसाइटी ऑफ आइआईएस), भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (इसरो), भौवैज्ञानिक सर्वेक्षण भारत (जीएसआइ), भारतीय मानव बूर्जा (बीआईएस), केंद्रीय पेट्रोकेमिकल्स इंजीनियरिंग एवं प्रौद्योगिकी संस्थान (सिपेट), भारतीय पुरातत्त्व सर्वेक्षण (एसएसआइ), भारतीय विशिष्ट पहचान प्राधिकरण (यूआईडीआइ), भारतीय आयुर्विज्ञान अनुसंधान परिषद (आईसीएमआर), भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद (आईसीएआर) सहित कई मंत्रालय और संस्थान शामिल होंगे।

इस संबंध में जानकारी देते हुए अजय राय ने बताया कि आयोजन का उद्देश्य भारत की वैज्ञानिक प्रगति, तकनीकी नवाचार, सांस्कृतिक धरोहर और सरकारी पहलों को प्रदर्शित करना है। इसके साथ ही यह एक्सप्रो सरकारी विभागों को नागरिकों, युवाओं और उद्यमियों से जोड़ने का भी प्रयास करेगा। उन्होंने बताया कि एक्सप्रो के मुख्य आकर्षणों में वैज्ञानिक उपलब्धियों की प्रदर्शनी, युवाओं और उद्यमियों के लिए

कार्यक्रम का उदाहरण राज्यपाल संतोष गंगवार और सांसद डॉ प्रदीप कुमार वर्मा करेंगे।

कार्यक्रम और सरकार-उद्योग-अकादमिक जगत के बीच सहयोग बढ़ाने को फल शामिल है।

प्रदर्शनी में देश के कई प्रमुख संस्थान और विद्यार्थी भाग लेंगे।

इनमें परमाणु ऊर्जा विभाग (डीएम), वैज्ञानिक औद्योगिक अनुसंधान परिषद (सोसाइटी ऑफ आइआईएस), भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (इसरो), भौवैज्ञानिक सर्वेक्षण भारत (जीएसआइ), भारतीय मानव बूर्जा (बीआईएस), केंद्रीय पेट्रोकेमिकल्स इंजीनियरिंग एवं प्रौद्योगिकी संस्थान (सिपेट), भारतीय पुरातत्त्व सर्वेक्षण (एसएसआइ), भारतीय विशिष्ट पहचान प्राधिकरण (यूआईडीआइ), भारतीय आयुर्विज्ञान अनुसंधान परिषद (आईसीएमआर), भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद (आईसीएआर) सहित कई मंत्रालय और मंत्रालय और संस्थान शामिल होंगे।

राजीव गांधी जयंती पर पौधरोपण और रक्तदान शिविर का आयोजन



आजाद सिपाही संवाददाता

रांची। झारखंड प्रदेश किसान कांग्रेस कमेटी एवं महान्याया फुले संस्थान, रांची में सौजन्य से उन्होंने युवाओं से उनके आदर्शों को अपनाने की अपील की। उन्होंने युवाओं के लिए एक उत्कृष्ट वैशिष्ट्य के साथ, उन्होंने एक उत्कृष्ट विविदता के रूप में विभिन्न पदों पर कार्य किया है।

वरिष्ठ कांग्रेस नेता शशि भूषण राय ने कहा कि राजीव गांधी का शिक्षा और स्वास्थ्य के प्रति एक स्पष्ट विश्वास था और उन्होंने देश के युवाओं के लिए एक आधुनिक राज्य के वित्त मंत्री राधाकृष्णन की विशेषता थी। उन्होंने योजना के क्षेत्र में कई रिफर्में लिए और जवाहर नवाचार और ईंदिया गांधी राष्ट्रीय राजीव गांधी के 81वें जन्मदिवस के अवसर पर योग्य विश्वविद्यालय परिषद के लिए एक विश्वविद्यालय के विविदता के साथ, उन्होंने एक उत्कृष्ट विविदता के रूप में कार्य किया है।

राजीव गांधी का जीवन देश की प्रगति, नवाचार और तकनीकी विकास को समर्पित रहा है।

संस्थान, रांची से जोड़ने वाली बुधवार को वाइएमप्री एवं पब्लिक स्कूल, धूम्रपान से पूर्व प्रधानमंत्री स्व.

राजीव गांधी की 81वें जन्मदिवस के अवसर पर योग्य विश्वविद्यालय और रक्तदान शिविर का आयोजन किया गया। कार्बनकम के मुख्य अतिथि राज्य के वित्त मंत्री राधाकृष्णन की विशेषता थी। उन्होंने योजना के क्षेत्र में कई रिफर्में किये और जवाहर नवाचार और ईंदिया गांधी राष्ट्रीय राजीव गांधी की विश्वविद्यालय परिषद के लिए एक विश्वविद्यालय के विविदता के साथ, उन्होंने एक उत्कृष्ट विविदता के रूप में विभिन्न पदों पर कार्य किया है।

राजीव गांधी का जीवन देश की प्रगति, नवाचार और तकनीकी विकास को समर्पित रहा है।

उन्होंने युवाओं से उनके आदर्शों को अपनाने की अपील की।

उन्होंने युवाओं के लिए एक विश्वविद्यालय के विविदता के साथ, उन्होंने एक उत्कृष्ट विविदता के रूप में विभिन्न पदों पर कार्य किया है।

राजीव गांधी की 81वें जन्मदिवस पर कैफीत की ओर उद्यमियों को नमन किया। इस मौके पर आलोक दुबे, अरुण कुमार सिंह, एक्सप्रो कमेटी के अध्यक्ष सहित कई अन्य

नेतृत्व की ओर अवसर पर कहा कि वर्गीय

नेतृत्व की ओर अपील विश्वविद्यालय के लिए एक विश्वविद्यालय के विविदता के साथ, उन्होंने एक उत्कृष्ट विविदता के रूप में विभिन्न पदों पर कार्य किया है।

राजीव गांधी की 81वें जन्मदिवस पर कैफीत की ओर उद्यमियों को नमन किया। इस मौके पर आलोक दुबे, अरुण कुमार सिंह, एक्सप्रो कमेटी के अध्यक्ष सहित कई अन्य

नेतृत्व की ओर अपील विश्वविद्यालय के लिए एक विश्वविद्यालय के विविदता के साथ, उन्होंने एक उत्कृष्ट विविदता के रूप में विभिन्न पदों पर कार्य किया है।

राजीव गांधी की 81वें जन्मदिवस पर कैफीत की ओर उद्यमियों को नमन किया। इस मौके पर आलोक दुबे, अरुण कुमार सिंह, एक्सप्रो कमेटी के अध्यक्ष सहित कई अन्य

नेतृत्व की ओर अपील विश्वविद्यालय के लिए एक विश्वविद्यालय के विविदता के साथ, उन्होंने एक उत्कृष्ट विविदता के रूप में विभिन्न पदों पर कार्य किया है।

राजीव गांधी की 81वें जन्मदिवस पर कैफीत की ओर उद्यमियों को नमन किया। इस मौके पर आलोक दुबे, अरुण कुमार सिंह, एक्सप्रो कमेटी के अध्यक्ष सहित कई अन्य

नेतृत्व की ओर अपील विश्वविद्यालय के लिए एक विश्वविद्यालय के विविदता के साथ, उन्होंने एक उत्कृष्ट विविदता के रूप में विभिन्न पदों पर कार्य किया है।

राजीव गांधी की 81वें जन्मदिवस पर कैफीत की ओर उद्यमियों को नमन किया। इस मौके पर आलोक दुबे, अरुण कुमार सिंह, एक्सप्रो कमेटी के अध्यक्ष सहित कई अन्य

नेतृत्व की ओर अपील विश्वविद्यालय के लिए एक विश्वविद्यालय के विविदता के साथ, उन्होंने एक उत्कृष्ट विविदता के रूप में विभिन्न पदों पर कार्य किया है।

राजीव गांधी की 81वें जन्मदिवस पर कैफीत की ओर उद्यमियों को नमन किया। इस मौके पर आलोक दुबे, अरुण कुमार सिंह, एक्सप्रो कमेटी के अध्यक्ष सहित कई अन्य

नेतृत्व की ओर अपील विश्वविद्यालय के लिए एक विश्वविद्यालय के विविदता के साथ, उन्होंने एक उत्कृष्ट विविदता के रूप में विभिन्न पदों पर कार्य किया है।

राजीव गांधी की 81वें जन्मदिवस पर कैफीत की ओर उद्यमियों को नमन किया। इस मौके पर आलोक दुबे, अरुण कुमार सिंह, एक्सप्रो कमेटी के अध्यक्ष सहित कई अन्य

नेतृत्व की ओर अपील विश्वविद्यालय के लिए एक विश्वविद्यालय के विविदता के साथ, उन्होंने एक उत्कृष्ट विविदता के रूप में विभिन्न पदों पर कार्य किया है।

राजीव गांधी की 81वें जन्मदिवस पर कैफीत की ओर उद्यमियों को नमन किया। इस मौके पर आलोक दुबे, अरुण कुमार सिंह, एक्सप्रो कमेटी के अध्यक्ष सहित कई अन्य

नेतृत्व की ओर अपील विश्वविद्यालय के लिए एक विश्वविद्यालय के विविदता के साथ, उन्होंने एक उत्कृष्ट विविदता के रूप में विभिन्न पदों पर कार्य किया है।

राजीव गांधी की 81वें जन्मदिवस पर कैफीत की ओर उद्यमियों को नमन किया। इस मौके पर आलोक दुबे, अरुण कुमार सिंह, एक्सप्रो कमेटी के अध्यक्ष सहित कई अन्य

नेतृत्व की ओर अपील विश्वविद्यालय के लिए एक विश्वविद्यालय के विविदता के साथ, उन्होंने एक उत्कृष्ट विविदता के रूप में विभिन्न पदों पर कार्य किया है।

राजीव गांधी की 81वें जन्मदिवस पर कैफीत की ओर उद्यमियों को नमन किया। इस मौके पर आलोक दुबे, अरुण कुमार सिंह, एक्सप्रो कमेटी के अध्यक्ष सहित कई अन्य

नेतृत्व की ओर अपील विश्वविद्यालय के लिए एक विश्वविद्यालय के विविदता के साथ, उन्होंने एक उत्कृष्ट विविदता के रूप में विभिन्न पदों पर कार्य किया है।

राजीव गांधी की 81वें जन्मदिवस पर कैफीत की ओर उ

संपादकीय



प्रतीकों की लड़ाई

उपराष्ट्रपति पद के लिए अब दोनों तरफ से उम्मीदवारों का ऐलान हो चुका है। पंडित के सीधीं राधाकृष्णन के मुकाबले आइएटीआईए ब्लॉक ने सुप्रीम कोर्ट के रिटायरेंट जज वी. सुशर्णश रेडी ने उत्तराहा है। संख्या बल में एनडीए वानी सता पक्ष का पलड़ा भले भारी सही, लेकिन वह लड़ाई आंकड़ों से ज्यादा प्रतिकारक है। विषयक ने एक मजबूत कैटिडेट उत्तर का सर्वेश देने का प्रयास किया है कि वह किसी मोर्चे पर सरकार को फ्री है और नहीं देने जा रही।

दोनों नाम दक्षिण से : राधाकृष्णन तमिलनाडु से आते हैं, जबकि सुदर्शन रेडी तेलंगाना से। दोनों चेहरों का दक्षिण भारत से हाना संभव नहीं हो सकता और इसी वजह से यह चुनाव और भी दिलचस्प हो जाता है। भाजपा के लिए दक्षिण अब भी मुश्किल जगह है, जबकि विषयक के लिए ऐसा मैट्रिक ऊंचान चुनावी भी लगता है। उत्तराहा का सर्वेश देने का प्रयास किया है कि वह किसी मोर्चे पर सरकार को फ्री है और नहीं देने जा रही।

दोनों नाम दक्षिण से : राधाकृष्णन तमिलनाडु से आते हैं, जबकि सुदर्शन रेडी तेलंगाना से। दोनों चेहरों का दक्षिण भारत से हाना संभव नहीं हो सकता और इसी वजह से यह चुनाव और भी दिलचस्प हो जाता है। भाजपा के लिए दक्षिण अब भी मुश्किल जगह है, जबकि विषयक के लिए ऐसा मैट्रिक ऊंचान चुनावी भी लगता है। उत्तराहा का सर्वेश देने का प्रयास किया है कि वह किसी मोर्चे पर सरकार को फ्री है और नहीं देने जा रही।

मौका और चुनौती : अगर सौ फीसदी वोटिंग होती है, तो दोनों सदनों में मिला कर चुनाव में जीत के लिए 394 वोट चाहिए होंगे। एनडीए के पास 422 का संख्यावल है। हालांकि उपराष्ट्रपति का चुनाव गुरु मतदान द्वारा होता है

और सदस्य पार्टी विप से नहीं बद्ध होते। दोनों के लिए वह मौके के साथ चुनौती भी है। दोनों तरफ से अपने समर्थन का दावरा बढ़ाने की कोशिश होगी। खासतौर पर दक्षिण से आने वाले क्षेत्रीय दोनों पर निर्णय होंगे।

राधाकृष्णन तमिलनाडु से आते हैं, जबकि सुदर्शन रेडी तेलंगाना से। दोनों घेरों का दक्षिण भारत से होना संयोग नहीं हो सकता और इसी वजह से यह चुनाव और भी दिलचस्प हो जाता है। उत्तराहा का सर्वेश देने का प्रयास किया रुप है। जिस तरह से टीडीपी ने राधाकृष्णन के समर्थन का ऐलान किया है, उसका असर दिखने भी लगा है।

मौका और चुनौती : अगर सौ फीसदी वोटिंग होती है, तो दोनों सदनों में मिला कर चुनाव में जीत के लिए 394 वोट चाहिए होंगे। एनडीए के पास 422 का संख्यावल है। हालांकि उपराष्ट्रपति का चुनाव गुरु मतदान द्वारा होता है

और सदस्य पार्टी विप से नहीं बद्ध होते।

शब्द

बाटिं, तैनि

बाटिं, आसू बाटिं,

ब्लॉक जब हम बाटते

हैं, तो हम जुटते हैं और

जब हम जुटते हैं, हम

तीक होने लगते हैं।

हम खुद से भी छिपने

लगते हैं हम अपने लिए वह साथी

बनाना होगा। खुद को वह स्थान देना होगा जाना हम खुद से ही बोल सकें। दिन में कुछ समय निकाल कर खुद से पूछें - मैं कैसा महसूस कर रहा हूं?, क्या कोई बात है जो मुझे परेशान कर रही है? और अमर उत्तर में दुख मिले - तो उसे दबाएं नहीं। उसे डायरी में लिखें, आँखों में भर लें या आँख में देख कर कहें - मैं जानता हूं, मैं थका हुआ हूं, पर मैं तुक्करे साथ हूं।

कहानियां सुनता हैं, पर दिल की हार किसी को नहीं बताते। लोग कहते हैं - कितना सफल है, पर कोई नहीं जानता कि वह व्यक्ति रात को नींद की दबा लेकर सोता है। और यह विषयक निकाल कर खतरनाक होता है जब वह लोगों के बातों में देखता है।

जब हम अपना दुख पहचानते हैं, स्वीकार करते हैं तो उसका असर बदल जाता है। वह बोझ नहीं रहता, वह अनुभव बन जाता है। और जब हम किसी को अपना दर्द बांटते हैं - शब्दों में या मौन में, तो हम भीतर से थोड़ा हल्का महसूस करते हैं। दुख बांटने का मतलब यह नहीं कि हम दूसरों पर निर्भर हैं।

जब हम अपना दुख पहचानते हैं, स्वीकार करते हैं तो उसका असर बदल जाता है। वह बोझ नहीं रहता, वह अनुभव बन जाता है। और जब हम किसी को अपना दर्द बांटते हैं - शब्दों में या मौन में, तो हम भीतर से थोड़ा हल्का महसूस करते हैं। दुख बांटने का मतलब यह नहीं कि हम दूसरों पर निर्भर हैं।

हम दुनिया को दिखाने के लिए मुस्कराते हैं, पर भीतर काई हिस्सों से बाहर रहते हैं। और यह रोना तब तक बढ़ता है, जब तक वह अकला रहता है। और जैसे ही वह साझा होता है, वह दवा बनने लगता है। शब्द बाटिं, मौन बाटिं, आसू बाटिं, ब्लॉक जब हम बाटते हैं, तो हम जुटते हैं और जब हम बाटते हैं, तो हम जुटते हैं।

हम दुनिया को दिखाने के लिए मुस्कराते हैं, पर भीतर सके संकेतों से देखते हैं। और यह किसी को बताएं - कैसे उसी रुप से देखते हैं?

हम दुनिया को दिखाने के लिए मुस्कराते हैं, पर भीतर सके संकेतों से देखते हैं।

हम दुनिया को दिखाने के लिए मुस्कराते हैं, पर भीतर सके संकेतों से देखते हैं।

हम दुनिया को दिखाने के लिए मुस्कराते हैं, पर भीतर सके संकेतों से देखते हैं।

हम दुनिया को दिखाने के लिए मुस्कराते हैं, पर भीतर सके संकेतों से देखते हैं।

हम दुनिया को दिखाने के लिए मुस्कराते हैं, पर भीतर सके संकेतों से देखते हैं।

हम दुनिया को दिखाने के लिए मुस्कराते हैं, पर भीतर सके संकेतों से देखते हैं।

हम दुनिया को दिखाने के लिए मुस्कराते हैं, पर भीतर सके संकेतों से देखते हैं।

हम दुनिया को दिखाने के लिए मुस्कराते हैं, पर भीतर सके संकेतों से देखते हैं।

हम दुनिया को दिखाने के लिए मुस्कराते हैं, पर भीतर सके संकेतों से देखते हैं।

हम दुनिया को दिखाने के लिए मुस्कराते हैं, पर भीतर सके संकेतों से देखते हैं।

हम दुनिया को दिखाने के लिए मुस्कराते हैं, पर भीतर सके संकेतों से देखते हैं।

हम दुनिया को दिखाने के लिए मुस्कराते हैं, पर भीतर सके संकेतों से देखते हैं।

हम दुनिया को दिखाने के लिए मुस्कराते हैं, पर भीतर सके संकेतों से देखते हैं।

हम दुनिया को दिखाने के लिए मुस्कराते हैं, पर भीतर सके संकेतों से देखते हैं।

हम दुनिया को दिखाने के लिए मुस्कराते हैं, पर भीतर सके संकेतों से देखते हैं।

हम दुनिया को दिखाने के लिए मुस्कराते हैं, पर भीतर सके संकेतों से देखते हैं।

हम दुनिया को दिखाने के लिए मुस्कराते हैं, पर भीतर सके संकेतों से देखते हैं।

हम दुनिया को दिखाने के लिए मुस्कराते हैं, पर भीतर सके संकेतों से देखते हैं।

हम दुनिया को दिखाने के लिए मुस्कराते हैं, पर भीतर सके संकेतों से देखते हैं।

हम दुनिया को दिखाने के लिए मुस्कराते हैं, पर भीतर सके संकेतों से देखते हैं।

हम दुनिया को दिखाने के लिए मुस्कराते हैं, पर भीतर सके संकेतों से देखते हैं।

हम दुनिया को दिखाने के लिए मुस्कराते हैं, पर भीतर सके संकेतों से देखते हैं।

हम दुनिया को दिखाने के लिए मुस्कराते हैं, पर भीतर सके संकेतों से देखते हैं।

हम दुनिया को दिखाने के लिए मुस्कराते हैं, पर भीतर सके संकेतों से देखते हैं।

हम दुनिया को दिखाने के लिए मुस्कराते हैं, पर भीतर सके संकेतों से देखते हैं।

हम दुनिया को दिखाने के लिए मुस्कराते हैं, पर भीतर सके संकेतों से देखते हैं।

हम दुनिया को दिखाने के लिए मुस्कराते हैं, पर भीतर सके संकेतों से देखते हैं।

हम दुनिया को दिखाने के लिए मुस्कराते हैं, पर भीतर सके संकेतों से देखते हैं।

हम दुनिया को दिखाने के लिए मुस्कराते हैं, पर भीतर सके संकेतों से देखते हैं।

हम दुनिया को दिखाने के लिए मुस्कराते हैं, पर भीतर सके संकेतों से देखते हैं।

हम दुनिया को दिखाने के लिए मुस्कराते हैं, पर भीतर सके संकेतों से देखते हैं।

हम दुनिया को दिखाने के लिए मुस्करात

धनबाद/बोकारो/बेटमो



धनबाद (आजाद सिपाही) | आपको बता दे कि धनबाद थाना क्षेत्र के अंतर्गत पांडुकी गांव के समीप एनसी 19 जीटी रोड में एक व्यक्ति का शव मिला था जो कहा है कि यह पांडुकी के रहने वाले हैं। विजय पांडेय मौत मामले को लेकर लोगों में आक्रोश कंपनी से मुआवजे की मांग को लेकर भारी संख्या में जुटे ग्रामिण धनबाद स्थल। कंपनी गेट के पास कर रहे हैं प्रदर्शन सुबह 6:00 बजे से लेकर शाम को 6:00 बजे तक बीत जाने के बाद नहीं हो पायी वार्ता मुआवजे की मांग पर अंदे हैं। ग्रामीण और परिजन मुआवजे को लेकर धरने पर वैष्ण ग्रामीण व परिवर्तन नहीं हो सकते हैं कोई सुनवाई साथ ही कई नेता जन प्रतिनिधि भी बैठे धरने पर। बीते ग्रामीणों के मालिकों को लेकर भारी संख्या में जुटे ग्रामिण धनबाद स्थल।

राज्याल से जिप अध्यक्ष सह झारखण्ड ग्रिस्टरीय पंचायत प्रतिनिधि संघ के अध्यक्ष ने औपचारिक मुलाकात की



धनबाद (आजाद सिपाही) | इस मुलाकात के दौरान उन्होंने कई महत्वपूर्ण मुद्दों पर चर्चा की, जिनमें 15वें वित आयोग मद का वर्ष 2024-25 का बकाया राशि और 16वें वित आयोग की राशि आवार्ट करने के सबसे में अनुरोध किया। साथ ही महामहिम राज्याल संतोष गंगवार से अनुरोध किया कि ग्रिस्टरीय पंचायत राज प्रतिनिधियों को 14 वित आयोग 21 वित आयोग की दोनों द्वारा संतोष गंगवार से अनुरोध किया। इस अवसर पर चर्चा में ग्रामीण क्षेत्रों के विकास में योगदान कर सकेंगे। राज्याल ने आशावान दिया कि उनकी मांगों पर विवार किया जाएगा और आवश्यक कार्यालय की जायेगी। उन्होंने यह भी कहा कि राज्य सरकार पंचायती राज प्रतिनिधियों को मजबूत बनाने और उन्हें अधिक शक्तियां प्रदान करने के लिए प्रतिबद्ध है। इस दौरान जिला परिषद सदस्य झजराफिल लाला, तोपांचां प्रखण्ड प्रमुख आनंद, तोपांचां प्रखण्ड मुख्या संघ के अध्यक्ष प्रसिद्ध कुमार सिंह भी मौजूद थे।

बेटियों को आगे बढ़ाने समाज में बदलाव के लिए मानसिकता में बदलाव जरूरी: बीडीओ



बोकारो (आजाद सिपाही) | उपायुक्त अजय नाथ झा के निर्देश एवं जिला समाज कल्याण विभाग के आदेश पर बाल विकास परियोजना पेटरवार एवं बेरमो की ओर से बुधवार को 'बधाई हो, बेटी हुई है' कार्यक्रम के तहत अनुमंडलीय अस्पताल, बेरमो एवं सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र पेटरवार की मातृ-शिशु वार्ड में कार्यक्रम का आयोजन किया गया। मौके पर सीडीपीओ पेटरवार चांदी, बीडीओ पेटरवार संतोष कुमार महतो, प्रभारी राजीव शाहाना एवं अपनी आयोजना भारी संधारित्रों ने विकास कार्यक्रम को बढ़ावा दी। बेटी हुई है कार्यक्रम के तहत अनुमंडलीय अस्पताल बेरमो डॉ राहुल सिंह, हेट्टी मेनेजर संजय प्रसाद, जीएन अलका वर्मा एवं महिला पर्योक्तिका मुक्ति कुमारी, कुमारी सुमित्रा, रेखा कुमारी समेत अन्य उपरिथत थे। इस अवसर पर नवजात बेटियों के अभिभावकों को क्रमवार उनके घर बेटी होने की उन्नें बधाई दी गयी तथा बेटी के जन्म की इस खुशी को साझा करते हुए सभी पदाधिकारियों ने अभिभावकों को मिटाई खिलाई व केक काटकर उनका खुला मिठाकराया। इसके साथ ही प्रसाव के प्रश्नात आवश्यक मेडिकल कॉर्ट और बच्चों से संबंधित किट प्रदान किए गए। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कांग्रेस जिलाध्यक्ष संतोष कांग्रेस जिलाध्यक्ष संघिका ने किट प्रदान के बारे में बधाई किया। साथ ही कहा कि अब जमाना बदल गया है बेटियों के जन्म की खुशी और उल्लास से मनोया जाता है। उन्होंने कहा कि जब तक समाज में मानसिक ऊर्जा पर बेटियों को लेकर समाजता का भाव नहीं आया, तब तक असल बदलाव संभव नहीं है। प्रखण्ड विकास पदाधिकारी पेटरवार संतोष कुमार ने कहा कि बेटी के जन्म को बड़ा नहीं समझते, अपने आपको सीधारी समझते। साथ ही कहा कि अब जमाना बदल गया है।

धनबाद जिला महिला कांग्रेस ने राजीव गांधी की तस्वीर पर किया मात्यार्पण



भूली (आजाद सिपाही) | भूली ई ल्पॉक सेक्टर 5 में धनबाद जिला महिला कांग्रेस कमिटी की जिलाध्यक्ष सीता राणा के आवासीय कार्यालय में पूर्व प्रधानमंत्री राजीव गांधी की ८१वां जयंती मनाया गया। महिला कांग्रेस की सदस्यों ने राजीव गांधी के तस्वीर पर पूर्ण अप्रिंत करने नमन किया। केक काटकर राजीव गांधी के योगदान के बारे में बाताया राजीव गांधी के ८१वां जयंती अवसर पर अखिल भारतीय महिला कांग्रेस की अध्यक्ष अलका लाला और झारखण्ड प्रदेश अध्यक्ष गुरुज सिंह के निदेशनुसार प्रियदर्शन उडान के तहत महिलाओं के बीच सेनेटरी पैड का वितरण किया गया। महासंविध रुखी खानून ने बताया कि प्रियदर्शन उडान के तहत भूली झारखण्ड मोड़ खटाल, नया बाजार, रस्तेशन रोड के साथ गोविंदपुर बलियपुर, झारिया, धनबाद प्रखण्ड और धनबाद नगर में महिलाओं के बीच सेनेटरी पैड का वितरण किया गया। महासंविध रुखी खानून ने बताया कि एक पूर्ण प्रधानमंत्री राजीव गांधी की भावत में तकनीकी क्रिति के सूक्ष्मांश थे। देश में कम्प्यूटर क्रांति लाकर उन्होंने देश के विकास को गति दी। उस समय राजीव गांधी ने महिलाओं को राजनीती तकनीक की दुहाई देते हैं। राजीव गांधी ने महिलाओं को राजनीती में अधिकार देते हुए पूर्ण पंचायती राज में पचास फीसीदी आक्रमण देकर महिलाओं को सशक्त बनाने, अत्मनिर्भर होने आर्थिक स्वतंत्रता का मन्त्र दिया। राजीव गांधी के विचार और कार्य हमेशा लोगों के लिए प्रेरणास्रोत बने रहे। मौके पर स्वर्णी खानून, नीति देवी, बविता शर्मा, हेमंत जयसवाल, पूनम देवी, शाहिन बानो, कविता धिवर, सुनीता निषाद, स्वर्णी खानून, रजनी देवी, निखत परवीन, मालती देवी, रिक्कु कुमारी, रंजु देवी, जानकी देवी, सुमा देवी, कौशल्या देवी, सविता देवी आदि मौजूद थी।

सूचना प्रौद्योगिकी और दूरसंचार क्रांति के जनक थे राजीव गांधी : अनुपमा सिंह



आजाद सिपाही संवाददाता

झरिया/ जोड़ापोखर। कांग्रेस नेत्री अनुपमा सिंह के आवासीय कार्यालय में अनुपमा सिंह के निदेशनुसार भारत के पूर्व प्रधानमंत्री भारत रत्न स्वर्गीय राजीव गांधी जी कि 81 वीं जयंती सद्विनायक दिवस के रूप में उपस्थित कांग्रेस जनों ने संकल्प

लिया। नाते एक अनोखी और अभिनव विचार रखते थे। उनके पास कई कार्यक्रम के माध्यम से एक विकसित राष्ट्र का सपना देखा था। उनकी प्राथमिकता विभिन्न धर्मों और भाषाओं के लोगों के बीच राष्ट्रीय राष्ट्राजीव शक्ति का बढ़ावा देने के लिए प्रश्न सुन पुण्य अर्पित करते हुए श्रद्धाञ्जलि दी। कांग्रेस नेत्री अनुपमा सिंह बधान संजीव करते हुए कहा कि राजीव गांधी की जयंती सद्विनायक दिवस के रूप में उपस्थित कांग्रेस जनों ने संकल्प

लिया। नाते एक अनोखी और अभिनव विचार रखते थे। उनके पास कई कार्यक्रम के माध्यम से एक विकसित राष्ट्र का सपना देखा था। उनकी प्राथमिकता विभिन्न धर्मों और भाषाओं के लोगों के बीच राष्ट्रीय राष्ट्राजीव शक्ति का बढ़ावा देने के लिए प्रश्न सुन पुण्य अर्पित करते हुए श्रद्धाञ्जलि दी। कांग्रेस नेत्री अनुपमा सिंह बधान संजीव करते हुए कहा कि राजीव गांधी की जयंती सद्विनायक दिवस के रूप में उपस्थित कांग्रेस जनों ने संकल्प

लिया। नाते एक अनोखी और अभिनव विचार रखते थे। उनके पास कई कार्यक्रम के माध्यम से एक विकसित राष्ट्र का सपना देखा था। उनकी प्राथमिकता विभिन्न धर्मों और भाषाओं के लोगों के बीच राष्ट्रीय राष्ट्राजीव शक्ति का बढ़ावा देने के लिए प्रश्न सुन पुण्य अर्पित करते हुए श्रद्धाञ्जलि दी। कांग्रेस नेत्री अनुपमा सिंह बधान संजीव करते हुए कहा कि राजीव गांधी की जयंती सद्विनायक दिवस के रूप में उपस्थित कांग्रेस जनों ने संकल्प

लिया। नाते एक अनोखी और अभिनव विचार रखते थे। उनके पास कई कार्यक्रम के माध्यम से एक विकसित राष्ट्र का सपना देखा था। उनकी प्राथमिकता विभिन्न धर्मों और भाषाओं के लोगों के बीच राष्ट्रीय राष्ट्राजीव शक्ति का बढ़ावा देने के लिए प्रश्न सुन पुण्य अर्पित करते हुए श्रद्धाञ्जलि दी। कांग्रेस नेत्री अनुपमा सिंह बधान संजीव करते हुए कहा कि राजीव गांधी की जयंती सद्विनायक दिवस के रूप में उपस्थित कांग्रेस जनों ने संकल्प

लिया। नाते एक अनोखी और अभिनव विचार रखते थे। उनके पास कई कार्यक्रम के माध्यम से एक विकसित राष्ट्र का सपना देखा था। उनकी प्राथमिकता विभिन्न धर्मों और भाषाओं के लोगों के बीच राष्ट्रीय राष्ट्राजीव शक्ति का बढ़ावा देने के लिए प्रश्न सुन पुण्य अर्पित करते हुए श्रद्धाञ्जलि दी। कांग्रेस नेत्री अनुपमा सिंह बधान संजीव करते हुए कहा कि राजीव गांधी की जयंती सद्विनायक दिवस के रूप में उपस्थित कांग्रेस जनों ने संकल्प

लिया। नाते एक अनोखी और अभिनव विचार रखते थे। उनके पास कई कार्यक्रम के माध्यम से एक विकसित राष्ट्र का सपना देखा था। उनकी प्राथमिकता विभिन्न धर्मों और भाषाओं के लोगों के बीच राष्ट्रीय राष्ट्राजीव शक्ति का बढ़ावा देने के लिए प्रश्न सुन पुण्य अर्पित करते हुए श्रद्धाञ्जलि दी। कांग्रेस नेत्री अनुपमा सिंह बधान संजीव करते हुए कहा कि राजीव गांधी की जयंती सद्विनायक दिवस के रूप में उपस्थित कांग्रेस जनों ने संकल्प

लिया। नाते एक अनोखी और अभिनव विचार रखते थे। उनके पास कई कार्यक्रम के माध्यम से एक विकसित राष्ट्र का सपना देखा था। उनकी प्राथमिकता विभिन्न धर्मों और भाषाओं के

